ॐ ऐं नमः

ગર્જના / गर्जना Answer Key.

__/__/____

जवाब-1. 4 में से सही विकल्प चुनो.... (20)

જવાબ-1 ૪ માંથી સાચો વિકલ્પ શોધો...

1.	C	6	A	11	C	16	B
2	B	7	C	12	D	17	D
3	D	8	C	13	A/B हिन्दी में B ગુજરાતીમાં	18	C
4	D	9	B	14	C	19	A
5	B	10	D	15	D	20.	A

→ रिक्तस्थान पूर्ति करो, डबल ઈમાલા.... (5)

जवाब-2
1. उपलब्धि, आवश्यक प्रक्रिया
2. सुखी, दुःखी
3. धर्म, प्रेम
4. बेकार कानून (નિરુપયોગી કાયદા) अनावश्यक अधिकारियों
5. भय, प्रलोभन

जवाब-3 घुसपैठिये को बाहर निकालो... ઘૂસણખોરને બહાર કાઢો... (10)

1.	B	6.	B
2.	A	7.	C
3.	D	8.	D
4.	B	9.	A
5.	D	10.	C.

जवाब-4 रिक्तस्थान की पूर्ति करो: ખાલી જગ્યા ભરો. (10)

1. अपने से कमजोर लोगों को / નિર્બળ લોકો
2. कृपा
3. सुसंस्कृत / સંસ્કારી.
4. रडार
5. कब परीक्षा
6. धर्म नामक / ધર્મ નામની
7. कृत्रिम मांस / Mock meat
8. स्व - पर
9. बाह्यआचरण / બાહ્ય આચાર.
10. मुक्ति प्राप्त करने / મુક્તિ પ્રાપ્ત કરવામાં.

CamScanner

__/__/____

जवाब-5. सही जोड़ बनाओ / जोड़का जोड़ो: (10)

1. F 6. D
2. E 7. C
3. I 8. J
4. A 9. G
5. B 10. H.

जवाब-6 गर्जना किताब में अलग-अलग प्रकार के धर्म ..... (10)

वस्तु का स्वभाव, सदनुष्ठान, सुकृत/सत्कार्य, आचार, मर्यादा, जैन, बौद्ध, [illegible], मुस्लिम/इस्लाम, क्रिश्चन/क्रिस्त/ईसाई, सिख, वैदिक/हिन्दु/सनातन, असली नकली/फर्जी, परंपरा, साधुजीवन, श्रावक जीवन, आत्मधर्म, क्रियात्मक धर्म, विश्वकल्याणकारी, दान, शील, तप, भाव, पौत्र धर्म, शिष्य धर्म, भ्रातृधर्म, (अ) धर्म, One world Religion/(वैश्विक धर्म)... करीबन 28 धर्म है.....

[(/) यह निशान विकल्प को सूचित करता है... 2 या 3 में से किसी भी एक को लिख सकते है।]

जवाब-7. आंकड़ों की मायाजाल / आंकडानी मायाजाळ. (5)

1. बच्चों का pure vacation
2. पू. धर्मरक्षित सूरि म. ने की हुई शत्रुंजय यात्रा
3. 289 ओली / 14305 आयंबील / 40 साल
4. पं. धैर्यसुंदर वि.म. का अपने गुरुदेव के साथ लगातार रहना
5. Old generation
6. मूर्ति को वंदनीय / पुजनीय मानने वाले लोग
7. 25/4/1992..
8. कुमारपाल वी. शाह.
9. मन से पाप करने वाले
10. sex education शुरू होने वाला था....

जवाब-8 मुझे पहचानो... मने ओळखो... (5)

1. जेशींग भाई / जेशींगभाई
2. एक मात्र (अ) धर्म के स्थापक लोग / એક માત્ર અધર્મના સ્થાપક લોકો.
3. वर्तमान पत्रो / समाचार पत्रो.

4. गरीब /ગરીબ.
5. धर्मगुरु या आपका अनुभव/ ધર્મગુરુ અથવા તમારો અનુભવ.

जवाब.9 Question out of box.. (15)

→ सूचना: लेखक, पंन्यासजी भगवंत ने इन प्रश्नों के जवाब के रूप में पहले से कुछ सोचा था, लेकिन जब परीक्षार्थियों की ओर से अन्य भी कोई सच्चे जवाब मिले तो उसको भी सही ठहराकर पूरे मार्क दिये गये हैं। अत: कुछ प्रश्नों के जवाब में अलग- अलग 2/3 जवाब भी आपको यहाँ दिखेंगे.....

1. (a) page no. 92 - स्मार्ट (b) P.no. 30. गिरा/ हुआ/ વરસેલું.
(c) page no. 30 - खुद (d) P.no. 63. सेवा.
(e) Page no. 29 - धर्म, (f) P.no. 35 - पत्थर
(g) page no. 9 - धर्म... (h) P.no. हो/ હોય.

2. पंन्यास धैर्यसुंदर विजयजी म. और पंन्यास निर्मोहसुंदर विजयजी म. ने लिखी हुए प्रस्तावना के बीच अंतर...

3. रवि ने प्रशस्त क्रोध या प्रशस्त कषाय किया....

4. (a) गणधर - 6, 12 और 37 नंबर के चेप्टर
(b) प्रभु महावीर - 24, 27 और 34 " " "
(c) श्री कृष्ण - 18, 31 और 37 " " "
(d) गुरुदेव - 15, 28 और 31 " " "

5. 15 और 17 नंबर का चेप्टर

6. 2 और 35 नंबर " "

7. 15 " 28 " " " एवं comming soon में 13 नंबर का चेप्टर, 'प्रश्नानुक्रम विस्तारसे' में 16 नंबर का चेप्टर

8. पू. आ. भ. श्री धर्मरक्षितसूरि म. एवं पू. आ. भ. श्री हेमवल्लभसूरि म.

9. (a) चेप्टर नं. 16 में धर्मपरिवर्तन की बात की है और वहाँ से 4 चेप्टर को छोड़कर चेप्टर नं. 21 में धर्मपरिवर्तन कराने वाले का फोटो दिया है।
(b) समवायांग सूत्र में धर्म के नौ अर्थ बताये, जिसमें से पाँच अर्थ गर्जना किताब में बताये हैं।
(c) परीक्षा की बात समान, दो बच्चों के बीच में 4% का अंतर
(d) Page no. 66 ज्ञानादि 6 योगों से मुक्ति प्राप्ति बतलाई.. लेकिन Page no. 93. में क्रिया और ज्ञान से मुक्ति प्राप्ति बतलाई.. दोनों के बीच 4 का फर्क...

CamScanner

__/__/____

(e) नकली गुरु की बात Page no. 44 और Page no. 49 पर, दोनों के बीच 4 का फर्क

(f) औचित्यपालन की बात - chepter no. 30 और chepter no. 35 में दोनों के बीच 4 का अंतर...

10. शुरुआत में बीज, बीच में फल और अंत में बीज.....

(a) इस गर्जना किताब का बीज बनी है- धर्मप्रेमी संदेश पत्रिका, जिसमें धर्म का मर्म विभाग में यह सारी बातें छपी थी। यह बात प्रस्तावना में की थी, इसलिए शुरुआत में बीज...

बीच में - अनुक्रमणिका के बाद कुल 38 चेप्टर उस बीज का फल है।

अंत में - धर्मप्रेमी संदेश की एड्वर्टाइज छपी हुई है। वह वापस बीज का दर्शन...

(b) शुरुआत में प्रश्न अनुक्रम बीज है... बीच में फल के रूप में सारी बातें हैं और अंत में प्रश्नानुक्रम विस्तार से - जो बीज का दर्शन है।

—— x —— x —— x ——